20/05/2020

Subject - Computer teaching
Topic - Concept of teaching

B.Ed. Ist Year

शिक्षण का प्रत्यय

व्यवहारिक रूप से विश्लेषण करने पर शिक्षण की सम्पूर्ण प्रक्रिया को एक त्रिपदीय प्रक्रिया के रूप मे प्रदर्शित किया जा सकता है।

Dig.

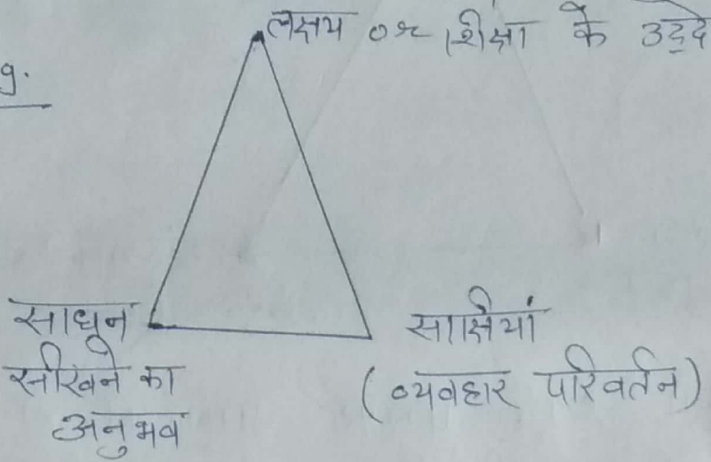

उपरोक्त Dig. के अनुसार कक्षा शिक्षण से पूर्व शिक्षक कुछ लक्ष्यो का निर्धारण करता है, इन लक्ष्यो की प्राप्ति के साधन, जिनमे मुख्य रूप से शिक्षण विधि एवं पाठ्यक्रम होते है, उनका निर्धारण करता है अन्त मे, वह साक्षेयो का संकलन करता है, जो उसे उद्देश्य प्राप्ति की सीमा बताती है, जिससे शिक्षक द्वारा प्रयुक्त पाठ्य - वस्तु और शिक्षण विधि को पृष्ठ पोषण प्राप्त होता है। शिक्षण की इसी त्रिपदीय प्रणाली को मूल्यांकन प्रणाली कहा जाता है।

Scanned with CamScanner

तकनीकी रूप से इस त्रिध्रुवीय प्रक्रिया के तीन ध्रुव निम्न प्रकार से प्रदर्शित किए जा सकते है —

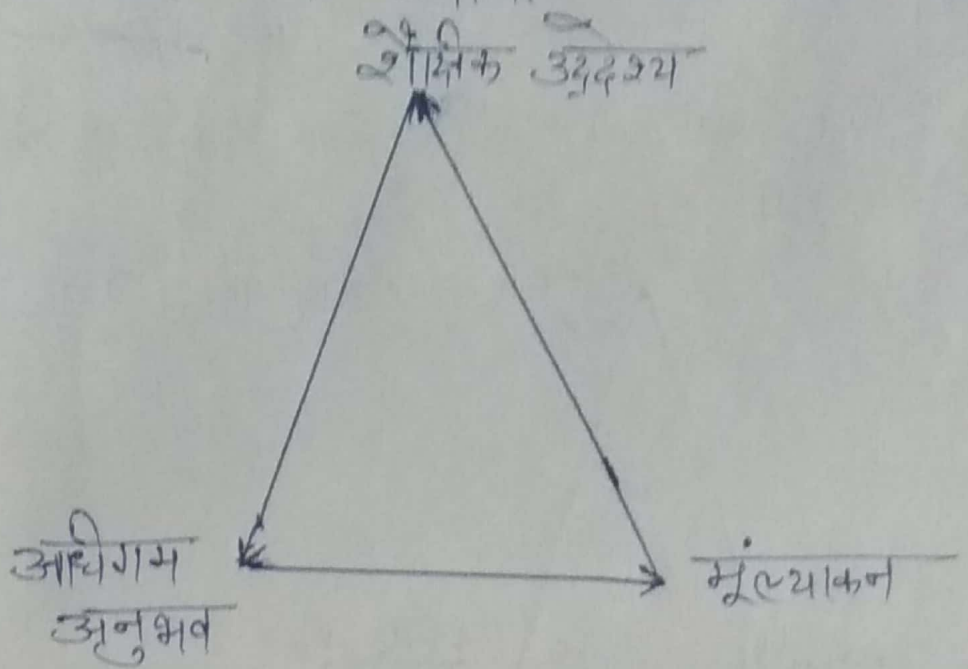

उपरोक्त तीनो ध्रुव परस्पर सम्बन्धित ही नही है, वरन परस्पर आश्रित भी है। यह वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा यह ज्ञात किया जाता है कि उद्देश्य किस सीमा तक प्राप्त हुए है।

अत: N.C.E.R.T. के द्वारा "उद्देश्य वह बिन्दु अथवा अभीष्ट है जिसकी दिशा मे कार्य किया जाता है। वह व्यवस्थित परिवर्तन है, जिसे किसी क्रिया द्वारा प्राप्त किया जाता है, जिसके लिए हम कार्य करते है।"

(कम्प्यूटर विज्ञान शिक्षण का महत्व)

(1) शिक्षण कार्य के सीमीतिकरण हेतु (2) व्यवहारिक परिवर्तन मे अन्तर हेतु
(3) पाठ्यक्रम को प्रभावशाली बनाने हेतु (4) मापन एवं मूल्यांकन की सहायता हेतु

Continue----

Scanned with CamScanner